विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

बरेली. सोमवार
27 मार्च 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00

दैनिक जागरण

आरएफ एवेशन से हर दर्द का इलाज

एसआरएमएस में आयोजित सेमिनार में दिल्ली के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बताए दर्द प्रबंधन के तरीके

जागरण संवाददाता, बरेली : बॉलीवुड के 'दबंग' सलमान खान चेहरे की नसों के दर्द (ट्राईजीमीनल न्यूरेलेजिया) के इलाज के लिए अमेरिका जाते हैं, लेकिन इसका इलाज अपने देश में भी संभव है। यहां भी आरएफ एवेशन तकनीक के जरिये नसों के हर तरीके के दर्द से निजात मिल सकती है। इस तकनीक में एक सुई से संबंधित नस को सुन्न किया जाता है। इसके बाद मरीज तीन से पांच साल तक आसानी से काम करता है। जरूरत सिर्फ उस सोर्स को पहचानने की है, जहां से दर्द पैदा हो रहा है। ऐसे में जरूरी है कि लंबे समय तक यदि दर्द हो तो पेन स्पेशियलिस्ट को दिखाएं।

एसआरएमएस में पेन मैनेजमेंट पर आयोजित सेमिनार में दिल्ली से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दर्द से निजात के तरीके बताए। डा. आशु जैन ने बताया कि बदलते लाइफस्टाइल के कारण दर्द के मामले बढ़ रहे हैं। हर दूसरा व्यक्ति पीड़ित है। लगातार कंप्यूटर, लैपटॉप और मोबाइल पर बने रहने के कारण ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इससे बचने के लिए स्वस्थ लाइफस्टाइल, बैठने की सही स्थिति, रोजाना करीब 15 मिनट योगा जरूर करें। डा. रजत गुप्ता ने कहा कि दर्द से बचने के लिए खुद को व्यवस्थित करने की जरूरत है। स्वस्थ्य खानपान, भार प्रबंधन, साइकोथेरेपी इसके लिए जरूरी है। डा. मनीष राज ने बताया कि दर्द का जरिया पता चलते ही कारगर इलाज होता है। कैंसर में होने वाले दर्द को भी कम किया जा सकता है।

एसआरएमएस में पेन मैनेजमेंट पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते देवमूर्ति, साथ में हैं विशेषज्ञ डॉक्टर ● जागरण

मंथन

- बदलता लाइफस्टाइल दे रहा तमाम तरह के दर्द, हर दूसरा व्यक्ति पीड़ित
- लैपटॉप और मोबाइल पर बने रहने से बढ़ रही ऐसे मरीजों की संख्या

व्यायाम भी जरूरी

डॉ. राजकुमार ने बताया कि स्लिप डिस्क का इलाज ऑपरेशन ही नहीं है। उनका पेन ट्रीटमेंट और फिर व्यायाम भी जरूरी है। डा. रिचा चंद्रा ने बताया कि प्रसव पीड़ा को कम करने को दिए जाने वाले इंजेक्शन से बाद में भी दर्द नहीं रहता। कैडेवरिक कार्यशाला का भी आयोजन कर तमाम नई जानकारियां दी गईं। इससे पहले संस्थान के चेयरमैन देवमूर्ति, प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति, प्राचार्य प्रो. डा. आरसी पुरोहित, डा. जूही सरन, डा. महोक ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

क्या है रेडियो फ्रीक्वेंसी एवेशन तकनीक

रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) एवेशन दर्द से निजात दिलाने की एक थैरेपी है। इसमें एक खास तरह की सुई के अंदर पतला तार डाला जाता है। उस तार को आरएफ मशीन से जोड़ देते हैं। फिर जिस नस में दर्द आ रहा है उसे कैथ लैब में देखकर वहां सुई को ले जाते हैं। मशीन से तार जुड़े होने के चलते सुई की नोक पर चुंबकीय करंट क्षेत्र बन जाता है। उससे दर्द देने वाली नस को सुन्न कर देते हैं। इसकी खास बात यह कि इस तरीके से उस नस में सिर्फ दर्द आना बंद होगा, बाकी के कार्य होते रहेंगे। यह थैरेपी बीस साल के दर्द को बीस मिनट में खत्म कर देती है। कैंसर के दर्द में यह बेहद आरामदायक है।